नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

वंचितों की पैरोकार थी महाश्वेता देवी - प्रो. आनंद वर्धन शर्मा

हिंदी विवि में प्रख्यात लेखिका महाश्वेता देवी को दी श्रद्धांजलि

वर्धा, 29 जुलाई 2016: प्रख्यात लेखिका और समाज के हासिएं लोगों की बीच काम करने वाली महाश्वेता देवी

वंचित वर्गों की पैरोकार थी। इन शब्दों में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने महाश्वेता देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की। महाश्वेता देवी 30 दिसंबर 2008 को विश्वविद्यालय में आयी थी, और उन्होंने सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास का उदघाटन भी किया था। महाश्वेता देवी का गुरुवार, 28 जुलाई को कोलकाता में निधन हुआ। उनके निधन पर शुक्रवार को विश्वविद्यालय परिवार ने उन्हें प्रशासनिक भवन में श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यकारी कुलसचिव कादर नवाज़ खान ने महाश्वेता देवी का जीवन परिचय दिया तथा उनकी साहित्य कृतियों पर प्रकाश ड़ाला। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जनसंचार विभाग के एग्जंट प्रोफेसर अरूण कुमार त्रिपाठी ने कहा कि महाश्वेता देवी के साथ

लोकप्रिय पत्रिका ‘वर्तिका’ में काम करने का मौका मिला। उनका जीवन आदिवासियों के हितों और उनकी रक्षा के लिए समर्पित था। डायस्पोरा विभाग के सहायक प्रोफेसर मुन्नालाल गुप्त ने उनसे जुड़े संस्मरण सुनाए। इस अवसर पर अध्यापक, अधिकारी, विद्यार्थी एवं कर्मी उपस्थित थे।